दृष्टि The Vision 19 AUG 2019

drishti

ESSAY

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E4

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

Name: Firoj Alam
Mobile Number:
Medium (English/Hindi): HINDI
Reg. Number: Awake-F005
Center & Date: 18/08/19
UPSC Roll No. (If allotted): 0833129

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

खंड–A / SECTION –A

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज्यादा।

   Social media : More personal than social.

2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।

   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.

3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज्यादा कुछ नहीं है।

   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.

4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।

   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

खंड–B / SECTION –B

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।

   A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.

2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।

   Pragmatism affirms the ideal.

3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।

   Education without values makes man a cleverer devil.

4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।

   Conflicts in developing Indian society.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा।
   Social media : More personal than social.
2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।
   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.
3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज़्यादा कुछ नहीं है।
   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.
4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।
   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

४- जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई

वर्ष 2016 में दिल्ली की हवा में अत्यधिक प्रदूषण के कारण इंडियन मेडिकल एसोशियन द्वारा 'पर्यावरणीय आपातकाल' लगाया गया तथा बताया कि दिल्ली की हवा में सांस का मतलब है कि व्यक्ति के द्वारा प्रतिदिन 50 सिगरेट के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

बराबर धुआं पिया जा रहा है।
लेकिन उसी समय दिल्ली के ही अनेक अस्पतालों में कुछ बच्चे जन्म ले रहे थे तथा न चाहकर भी बिना कुछ जलवायु को प्रभावित किए 50 सिगरेट पीने के लिए मजबूर थे।

प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ये बच्चे जलवायु परिवर्तन की पीड़ा को झेलने के लिए क्यों मजबूर थे? दरअसल जलवायु परिवर्तन का सच भी यही है कि कोई करता है और कोई झेलता है।

मार्क ट्वेन ने कहा था कि - स्वच्छ जलवायु पूर्वजों की संपत्ति नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ियों का हम पर लोन है जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छतापूर्वक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ही लौटाना होगा।"

लेकिन वर्तमान में बढ़ते जलवायु परिवर्तन की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। हीट वेव की अवधी बढ़ गई है, वनाग्नि अधिक होने लगी हैं तथा विश्व तापमान 1.5°C के पास पहुँचने वाला है।

वर्ष 2019 की गर्मियों में अफ्रीका महाद्वीप के सहारा क्षेत्र से कई ऐसी खबरें आईं कि बढ़ती गर्मी के कारण खड़ी हुई गाड़ियों का प्लास्टिक स्वयं पिघल रहा है। भारत के बैंगलोर में भी बेंदुर झील में बार-बार स्वतः लगती आग किसी से छिपी नहीं है।

IPCC की 5 वीं रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के कारण लोगों की मौतों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा खाद्यान उत्पादकता गंभीर रुप से प्रभावित हुई है।

अब प्रश्न यह है कि आज जिन जलवायु परिवर्तन की समस्याओं को विश्व झेल रहा है, वे कुछ वर्षों में ही पैदा हुई हैं? या एक लम्बी अवधी का परिणाम है?

दरअसल 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत को इस प्रक्रिया का प्रस्थान बिन्दु माना जाता है। कुछ देशों ने औद्योगिक विकास किया तथा कुछ व्यक्तियों ने प्रकृति को अपने अनुसार बदला। लेकिन उसका भार अन्य देशों, व्यक्तियों, पशु-पक्षियों को उठाना पड़ रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जलवायु परिवर्तन को बढ़ाने में वन्य जीवों का तो नगण्य योगदान है क्योंकि वे तो प्रकृति के साथ सहअस्तित्व में रहते हैं लेकिन IUCN की रेड लिस्ट से पता चलता है कि अनेक वन्यजीवों तथा वनस्पतियों का अस्तित्व खतरे में है।

इसी प्रकार आज ग्लेशियरों के पिघलने के कारण मालदीव, मॉरिशस, फिजी इत्यादि द्विपीय देशों के समक्ष अस्तित्व का खतरा मंडरा रहा है लेकिन जलवायु परिवर्तन को दूषित करने में इन्होंने कोई विशेष योगदान नहीं दिया है।

दरअसल जलवायु परिवर्तन को करता कोई है तथा भरता कोई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

और है।

अम्लीय वर्षा (NO_2+SO_2) की उत्पत्ति को ही देख लीजिए; यह जिन उद्योगों तथा क्षेत्रों में बनती है वहाँ की कृषि तथा लोगों को कम प्रभावित करती है क्योंकि वायु इसे उड़ाकर अन्य स्थानों पर ले जाती है तथा दूसरे स्थान के व्यक्तियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

AC, रेफ्रीजरेटरों तथा शूलन विधियों के प्रयोगों ने ओजोन परत के क्षरण को बढ़ाया। इसके लिए लगभग सभी देश उत्तरदायी हैं लेकिन आस्ट्रेलिया महाद्वीप के ऊपर इसका खतरा ज्यादा है तथा त्वचा रोगों में वृद्धि हो रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में चेन्नई व केपटाउन जैसे शहरों में जो पानी की कमी देखने को मिली, इसके लिए वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ पूर्व की पीढ़ियों का अतिशोषण भी जिम्मेदार है।

जलवायु परिवर्तन को करे कोई और भरे कोई के अन्य भी अनेक उदाहरण हैं, जैसे- शहर के लोग AC, AC के वाहनों का अधिक प्रयोग करते हैं तथा वनों को काटकर सड़कों व बिल्डिंगों में तब्दील कर देते हैं लेकिन इसके प्रभाव से गाँव वाले भी प्रभावित होते हैं।

ऐसे ही हरित क्रांति के दौरान अधिक उत्पादकता के लिए रसायनों व कीटनाशकों का अधिक उपयोग किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गया लेकिन आज पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी यूपी के अनेक क्षेत्रों में इसके कुप्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

यह हमेशा सत्य नहीं है कि जलवायु परिवर्तन को करे कोई भरे कोई; अनेक ऐसे भी उदाहरण विद्यमान हैं कि दूषित करने वाले व्यक्तियों ने ही प्रभावों को झेला भी है।

खनन क्षेत्रों में दूषित होते भौमजल तथा उसमें बढ़ते आर्सेनिक व फ्लोराइड से अधिकांश वहाँ के लोग ही प्रभावित हैं।

अब हमें सतत् विकास की ओर ध्यान देना होगा ताकि जलवायु परिवर्तन को रोका जा सके तथा इसके दुष्प्रभावों को न कोई और झेले और न हम झेलें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रयास किए गए है। भारत ने वर्ष 2022 तक 175GW नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य रखा है तथा पर्यावरणीय परिवहन प्रदूषण को कम करने के लिए FAME-II योजना के तहत वर्ष 2030 तक 30% इलेक्ट्रॉनिक वाहन का लक्ष्य रखा है।

भारत में BS IV मानदण्डों को BS VI मानदण्डों में बदला जा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स तथा ग्रीन स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से जन जागरूकता में वृद्धि की जा रही है।

इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर पेरिस समझौता, क्योटो प्रोटोकाल मिनिमाता कन्वेंशन आदि में सतत् सहयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करके जलवायु परिवर्तन को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

अब समय की भी माँग यही है कि इन प्रयासों में अधिक वृद्धि की जाए तथा बढ़ते सूखे की बारंबारता व बाढ़ की बढ़ती आवृत्ति को रोका जाए।

विश्व बैंक की रिपोर्ट दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के कारण 100 b$ से भी अधिक का नुकसान हो जाता है तथा समयपूर्व मृत्यों में वृद्धि हो रही है।

अब हमें अपनी GDP वृद्धि को भी ~~...~~ जलवायु परिवर्तन के आलोक में देखने की आवश्यकता है अर्थात हरित अर्थव्यवस्था को अधिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महत्व दिया जाए तथा भूटान की तरह अपने खुशहाली सूचकांक को भी पर्यावरणीय संरक्षण से जोड़ा जाए।

यदि प्रत्येक देश व्यक्तिगत स्तर पर तथा वैश्विक सहयोग के साथ सतत प्रयास करे तो जलवायु परिवर्तन को पेरिस समझौते के अनुसार 1.5°C पहुँचने से पहले रोका जा सकता है। कई विकसित देशों ने ऐसा किया भी है।

अब बढ़ती तकनीकों का प्रयोग जलवायु परिवर्तन को कम करने में किया जाए ताकि आज के हमारे प्रयासों पर आने वाली पीढ़ियाँ गर्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कर सकें तथा प्रत्येक क्षेत्र दूसरे क्षेत्र की तरफ निराशा के साथ नहीं बल्कि आशा व सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ देखे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड–B / SECTION –B

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।

A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.

2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।

Pragmatism affirms the ideal.

3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।

Education without values makes man a cleverer devil.

4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।

Conflicts in developing Indian society.

मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।

गांधी जी ने मूल्यविहीन शिक्षा को अपने सात पापों की संकल्पना में शामिल किया है अर्थात मूल्यविहीन शिक्षा पाप के समान है।

पढ़े-लिखे युवकों का आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना या शिक्षित व्यक्ति का मनी लॉडरिंग तथा वन्य जीवों की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तस्करी इत्यादि गतिविधियों में शामिल होना इस पाप की भावना को सिद्ध भी करता है।

सबसे पहले समझते हैं कि शिक्षा में किन मूल्यों का समावेश होना आवश्यक है। समानता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता, न्याय, अनुशासन, मानवता, दया, करुणा, वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता तथा देशप्रेम इत्यादि ऐसे मूल्य हैं जो व्यक्ति में शिक्षा के माध्यम से विकसित किए जाते हैं।

कुछ मूल्य शाश्वत तथा स्थायी होते हैं जबकि कुछ मूल्य विकसनशील होते हैं जो परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसलिए कहा भी जाता है कि — 'वर्तमान में अशिक्षित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वह नहीं है जो पढ़ नहीं पाया बल्कि वह अशिक्षित होगा जो यह नहीं जान पाया कि सीखा कैसे जाए।

इसलिए शिक्षा के माध्यम से मूल्यों को विकसित करते समय यह सिखाना चाहिए कि प्रत्येक परिस्थिति में नैतिक व उचित कैसे सोचा जाए।

अब यदि शिक्षा में मूल्यों का समावेश है तो हमें गांधी, कलाम, राजाराममोहन राय, मंडेला, मार्टिन लूथर, कैलाश सत्यार्थी जैसे महान लोग मिलेंगे, जो व्यक्तिगत तथा सामाजिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देंगे।

दूसरी तरफ यदि मूल्यविहीन शिक्षा है तो वह व्यक्ति को चतुर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शैतान बनायगी।

वेदों को लिखने वाले व्यक्ति कितने महान रहे होंगे, जिन्होंने अनेक सकारात्मक बातों को लिखा लेकिन जिस व्यक्ति ने वेदों को महिलाओं व शुद्रों के लिए अपठनय घोषित किया वह शिक्षित तो होगा लेकिन मूल्यविहीन शिक्षा से प्रेरित रहा होगा।

नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, विजय माल्या या इक्सिस बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर, ये सभी शिक्षित तो थे लेकिन मूल्यविहीन शिक्षा ने इन्हें चतुर शैतान बना दिया जिस कारण इन्होंने देशहित की परवाह किए बिना करोड़ों के घोटाले किए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पनामा पेपर लीक में शामिल नाम हों या 2G स्पेक्ट्रम, कोलगेट घोटाला, व्यापम घोटाला इत्यादि अनैतिक कार्य हों, इन सभी में ऐसे ही लोग शामिल हैं जो मूल्यविहीन शिक्षा लिए हुए हैं।

हाल ही में एक MBA डिग्री लिए हुए व्यक्ति ने Zomato के डिलीवरी बॉय से खाना लेने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि वह डिलीवरी बॉय मुस्लिम था।

अनेक मूल्यविहीन शिक्षित लोग साम्प्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद आदि को बढ़ावा दे रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों की IT cells में बैठे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षित लोग फेक न्यूजों के माध्यम से समाज को दिग्भ्रमित कर रहे हैं।

पिछले वर्ष तमिलनाडू में अंग प्रत्यार्पण में विभिन्न डॉक्टरों की अनैतिकताओं का खुलासा हुआ तथा अनेक शिक्षक सरकार से तो उच्च वेतन प्राप्त कर रहे हैं लेकिन छात्रों के प्रति अपने दायित्वों को नहीं निभा रहे हैं। प्रथम NGO की ASER रिपोर्ट भी बताती है कि 5वीं क्लास के बच्चे दूसरी कक्षा का पाठ नहीं पढ़ पाते हैं।

ट्रिपल तलाक संविधान के अनुच्छेद 14, 21 का उल्लंघन है क्योंकि यह महिलाओं के साथ भेदभाव करती है परंतु हाल ही में पारित ट्रिपल तलाक कानून का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

विरोध अनेक शिक्षित लोग कर रहे हैं। इस कानून में कमियों को उजागर करना या उनका विरोध करना गलत नहीं है लेकिन परंपरा के नाम पर शिक्षित व्यक्तियों के द्वारा भी तीन तलाक का समर्थन करना मूल्यविहीन शिक्षा को ही दिखाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सीरिया में बच्चों पर कैमिकल अटैक, अमेरिका द्वारा नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के स्थान पर ट्रेड वार, संरक्षणवाद तथा उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति द्वारा निरंतर परमाणु परीक्षण मूल्यविहीन शिक्षा को दर्शाते हैं।

दरअसल मूल्यविहीन शिक्षा ने व्यक्ति को इतना अधिक चतुर शैतान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बना दिया है कि वह साइबर क्राइम, वन्यजीव अपराध, लैंगिक हिंसा से लेकर बच्चों, वृद्धों, LGBT इत्यादि सभी से नफरत कर रहा है तथा वंचित वर्गों के हक को मारकर लीकेज, भ्रष्टाचार आदि में शामिल होता जा रहा है।

मूल्यविहीन ~~शिक्षा~~ शिक्षा ने व्यवस्था में अधिक अनैतिकतता ला दी है। आजादी के समय (1947) में शिक्षा दर 32% थी और वर्तमान में 74% है लेकिन आज भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, भेदभाव, हिंसा अधिक है।

इस बढ़ती प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने केंद्रीय सतर्कता आयोग, CBI, प्रवर्तन निदेशालय, लोकपाल इत्यादि संस्थाओं का गठन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया है तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाती आयोग आदि भी इस मूल्यविहीन शिक्षा की नकारात्मक प्रवृत्ति से निपटने का प्रयास कर रहे हैं।

संविधान के अनुच्छेद 51(A) मौलिक कर्तव्यों में कहा गया है कि देश व्यक्तियों को ज्ञानार्जन व नवाचार की भावना का विकास करना चाहिए ताकि समाज सकारात्मक वृद्धि कर सके।

सूचना के अधिकार अधिनियम 2005, सिटिजन चार्टर, ई-गवर्नेंस, गुड गवर्नेंस आदि के माध्यम से इन मूल्यविहीन शिक्षितों को कुकृत्यों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसमें ~~चाहिए कि~~ प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर से ही बच्चों में मूल्यों को विकसित करना चाहिए।

विभिन्न कहानियों के माध्यम से वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जाए तथा 26 जनवरी, 15 अगस्त आदि पर देशभक्ति के मूल्यों को विकसित करने का प्रयास किया जाए।

आज बच्चे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अधिक शिक्षा ग्रहण करते हैं। ऐसे गेम्स व खेल विकसित किए जाएँ जो रोचक होने के साथ-साथ बच्चों में लैंगिक, साम्प्रदायिक तथा जातीय सौहार्द को बढ़ाएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उच्च शिक्षा के स्तर पर कैलाश सत्यार्थी, गांधी जी, कलाम साहब आदि के जीवन मूल्यों की प्रेरणा देना का प्रयास किया जाए तथा गांधी जी के अहिंसा, हृदय परिवर्तन, सत्याग्रह, न्यासिता आदि मूल्यों को पाठ्यक्रम में अधिक स्थान दिया जाए।

प्रत्येक देश ~~को~~ को अब ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जिसमें ज्ञान के साथ-साथ चरित्र का भी निर्माण हो ताकि आतंकवाद, प्रवासन, संरक्षणवाद, जलवायु परिवर्तन, नृजातीय हिंसाएँ आदि वैश्विक समस्याओं को आसानी से सुलझाया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation